दैनिक भास्कर बिलासपुर भास्कर 06-04-2022

उपलब्धि : थम्मिना किरण को पूरे भारत में 59वां स्थान

सीयू के 5 विद्यार्थी गेट परीक्षा में हुए सफल, मिली बड़े संस्थानों में नौकरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के 5 छात्रों ने गेट 2022 परीक्षा उत्तीर्ण की है। ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) भारत में आयोजित एक परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में नौकरी के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान में विभिन्न स्नातक विषयों की समझ का परीक्षण करती है। गेट का संचालन भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलोर और भारत के विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय समन्वय बोर्ड- गेट, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष फरवरी में किया जाता है। यह भारत में आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सबसे अधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। इस परीक्षा को भारत के बाहर सिंगापुर में नानयांग टेक्नालॉजिकल यूनिवर्सिटी समेत अन्य देशों के विभिन्न संस्थानों द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के थम्मिना किरण, अनुष्का मिश्रा, श्रीरंग मिश्रा, सचिन गोंडी और गोविन्द कोसरे ने यह परीक्षा उत्तीर्ण कर विभाग और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

इन विद्यार्थियों में से थम्मिना किरण ने पूरे भारत में 59वां स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय, बिलासपुर और पूरे छत्तीसगढ़ का नाम भारत के पटल पर अंकित किया है। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने पांचों विद्यार्थियों के साथ-साथ रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के तीन अन्य छात्रों से मुलाकात कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने छात्रों से कहा कि आपसे पहले आपके शिक्षक बधाई के पात्र हैं, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से आप लोगों ने यह सफलता हासिल की है। कुलपति ने विद्यार्थियों से कहा कि हमेशा अपना लक्ष्य ऊंचा रखना चाहिए। जिनका विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ है उनमें रामविजय यादव का चयन सिप्ला फार्मासुटिकल लिमिटेड वाराणसी में प्रोडक्शन एक्जिक्युटिव के पद पर, जतिन पटेल का चयन विप्रो लिमिटेड में प्रोजेक्ट इंजीनियर के पद पर और रानी बैसरा का चयन इन्फोसिस में सिस्टम इंजीनियर के पद पर हुआ है।

11 विद्यार्थियों ने किया क्वालीफाई

विश्वविद्यालय के गणित विभाग के 11 छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है। 4 छात्र हिमांशु, गुंजन देवांगन,दुशमंत, पंकज यादव ने यूजीसी सीएसआईआर नेट रिसर्च फेलोशिप्प परीक्षा के लिए क्वालफाई किया, जबकि 4 छात्र आयुष चौबे, वीना बेहरा, आकाश प्रधान, पंकज यादव ने गेट 2022 रिसर्च फेलोशिप और 4 छात्र शीतल प्रसाद, नील कंठ पटेल,मनीष चौधरी, रुद्रदेव दानसेना ने जेम 2022 परीक्षा में शामिल होने के लिए क्वालीफाई किया है।

सीयू के 17 छात्रों ने पास किया गेट, यूजीसी सीएसआईआर नेट

बिलासपुर| सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र हर दिन देश-दुनिया में अपनी मेहनत से अपना नाम कर रहे हैं। इसी कड़ी में सीयू के गणित और रसायन विज्ञान के 17 छात्रों ने गेट, यूजीसी सीएसआईआर नेट, जैम-2022 की परीक्षा पास की है। इसमें रसायन विभाग की थम्मिना किरण ने पूरे भारत में 59वां स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय, बिलासपुर और छत्तीसगढ़ का नाम भारत के पटल पर अंकित किया है। कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल ने सभी छात्रों से मिलकर उन्हें बधाई दी। साथ ही उन्हें प्रेरणा और प्रोत्साहन दिया।

गेट में छात्रा थम्मिना का देशभर में 59वां स्थान

इन छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है: गणित विभाग के हिमांशु, गुंजन देवांगन, दुशमंत, पंकज यादव ने यूजीसी सीएसआईआर नेट, आयुष चौबे, वीना बेहरा, आकाश प्रधान, पंकज यादव ने गेट-2022, शीतल प्रसाद, नील कंठ पटेल, मनीष चौधरी, रुद्रदेव दानसेना ने जैम-2022, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग की थम्मिना किरण, अनुष्का मिश्रा, श्रीरंग मिश्रा, सचिन गोंडी और गोविन्द कोसरे ने गेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

सिटी प्राइम एंकर | रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण

सीयू के विद्यार्थियों ने सीखी शक्कर बनाने की विधि

बिलासपुर @ पत्रिका. कोरोना महामारी के बाद ऑफलाइन पढ़ाई शुरू होने के बाद गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग ने उद्योग-संस्थान संपर्क प्रकोष्ठ के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए पंडरिया स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल शक्कर कारखाना का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया।

छात्रों ने देखी शक्कर बनने की प्रक्रिया

इस कारखाने की क्षमता प्रतिदिन 2500 टन गन्ने से रस निकालने की है और छत्तीसगढ़ के लिए बड़े ही गर्व की बात है कि गन्ने को शक्कर में बदलने की क्षमता के पैमाने में यह कारखाना अभी तक के आंकड़ों के च से पूरे भारत में इस वर्ष प्रथम स्थान पर है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कारखाने में गन्ने के प्रवेश से लेकर उसके शक्कर में बदलने की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझा और इस प्रक्रिया में शामिल सभी उपकरणों की कार्य प्रणाली को जाना। शक्कर बनाने की जिस तकनीक को विद्यार्थियों ने अभी तक केवल किताबों में पढ़ा था, उस प्रक्रिया को सामने देखकर सभी विद्यार्थी रोमांचित हुए। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने कारखाने में स्थित प्रयोगशाला का भ्रमण किया और शक्कर की गुणवत्ता से संबंधित होने वाली सभी जांचों के बारे में जाना और अन्य सभी विभागों में भी जाकर वहाँ की कार्यप्रणाली को समझा। पूरे भ्रमण के दौरान इस कारखाने के कर्मचारी व अधिकारी शक्कर बनने की प्रक्रिया से संबंधित विद्यार्थियों की सभी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

छात्रों ने बताएं अनुभव

पूरी प्रक्रिया समझने के बाद कारखाने के प्रबंध संचालक सतीश पाटले ने सभी विद्यार्थियों से मुलाकात की ओर उनसे भ्रमण के अनुभव जाने। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से अपने इस कारखाने की उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रक्रिया को सरल करने के उपाय पूछे। साथ ही कारखाने की क्षमता को और बढ़ाने के उपाय के बारे में पूछा। औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कारखाने में कुछ सुधार की गुंजाइश महसूस हुई और इसके बारे में प्रबंध संचालक को बताया और उपाय बताए।

सीयू में डीडब्ल्यू एसआईएम सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के तत्वावधान में डीडब्ल्यू एसआईएम सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला हुई, जिसमें प्रतिभागियों को विषयागत नई तकनीक की जानकारी दी गई।

वास्तविक रूप में रासायनिक इंजीनियरिंग प्रयोग करना संभव नहीं होता है, क्योंकि यह बहुत महंगा है। साथ ही इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करना भी सभी के लिए कठिन है। ऐसे में अक्सर मानक वैज्ञानिक समीकरणों वाले कंप्यूटर पर समस्या का आंकलन करने से औद्योगिक समस्याओं के बारे में एक व्यावहारिक जानकारी ही मिल पाती है। इन परिस्थितियों में डीडब्ल्यू एसआईएम सॉफ्टवेयर उपयोगी सिद्ध हो रहा है। यह एक केमिकल प्रोसेस सिम्युलेटर है, जो उष्मागतिकीय गणना प्रतिक्रिया समर्थन और पेट्रोलियम उत्पाद के नियमों के आधार पर उष्मागति मॉडल और यूनिट संचालन के साथ स्थिर अवस्था, वाष्प-तरल, ठोस-तरल और जलीय इलेक्ट्रोलाइट संतुलन प्रक्रियाओं का अनुकरण करने में सक्षम है। प्रतिभागियों को इन प्रक्रियाओं की नई तकनीकी जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के शिक्षकों समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

- स्टूडेंट्स को मिली नई तकनीकी जानकारी